मूल्य एक प्रति 3.00 रु.
Registered with the Registrar of News Paper (Govt. of India) Vide R.N.I. No. 39299/81
Monday & Tuesday every week on Delhi Postal Regd. No. DL(E)-20/5174/2021-23

व्यापार एक्सप्रेस
(हिन्दी साप्ताहिक)

Office : 2718, Street No. 5, Bihari Colony, Shahdara, Delhi-110032
Mob.: +91-9312625326, 9717513928
Email: vyaparexpress50@gmail.com, vyaparexpress@ymail.com
CHIEF EDITOR : T.R. ARORA
www.vyaparexpress.co

वर्ष 42 अंक 09 • 28 फरवरी 2022 – 06 मार्च 2022 प्रकाशन की तिथि हर सोमवार वार्षिक मूल्य सप्लीमेंट्री सहित 1100/– पृष्ठ–4

कनाडा में सूखे मटर के उत्पादन में बढ़ोत्तरी के आसार

एग्रीकल्चर एंड एग्री फूड कनाडा (एएएफसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2021–22 में सूखे मटर का निर्यात पिछले साल की तुलना में कम रहने के आसार हैं। चीन के घटे आयात और बांग्लादेश की गैर हाजिरी से यह निर्यात फिसल रहा है। वर्ष 2022–23 में इसकी खेती मामूली बढ़कर 16.5 लाख हैक्टेयर में रहने का अनुमान है। उत्पादन 68 फीसदी बढ़कर 38 लाख टन पहुंचने के आसार हैं। सूखे मटर के औसत भाव को इस महीने घटाया गया है।

वर्ष 2021–22 में सूखे मटर का उत्पादन अनुमान 22.58 लाख टन है। वर्ष 2022–23 में इसके 38 लाख टन रहने की संभावना है। यह फसल वर्ष 2020–21 में 45.94 लाख टन था। कनाडा में सूखे मटर की खेती वर्ष 2021–22 में 14.91 लाख हैक्टेयर में होने का अनुमान है। यह वर्ष 2022–23 में 16.10 लाख हैक्टेयर रहने की संभावना है। वर्ष 2020–21 में यह रकबा 16.85 लाख हैक्टेयर था। कनाडा से सूखे मटर का निर्यात वर्ष 2021–22 में 21 लाख टन रहने की संभावना है। यह वर्ष 2022–23 में 30 लाख टन रहने का अनुमान है। यह वर्ष 2020–21 में 35.82 लाख टन था।

सूखे मटर का कैरी ऑउट स्टॉक वर्ष 2021–22 में 1.50 लाख टन रहने के आसार है जबकि यह वर्ष 2020–21 में 5.59 लाख टन रहा। इसके वर्ष 2022–23 में तीन लाख टन रहने के आसार हैं। एएएफसी ने सूखे मटर का औसत भाव फसल वर्ष 2021–22 के लिए 10 डॉलर कम कर 600 कनाडाई डॉलर प्रति टन किया है। जबकि, फसल वर्ष 2022–23 के लिए इसे 450 कनाडाई डॉलर प्रति टन पर कायम रखा है। फसल वर्ष 2020–21 के लिए 340 कनाडाई डॉलर प्रति टन था। अमरीकी कृषि संस्था (यूएसडीए) के मुताबिक, वर्ष 2021–22 में अमरीका में सूखे मटर का उत्पादन पिछले साल की तुलना में 31 फीसदी घटकर 10 लाख टन रहने की संभावना है। अमरीकी सूखे मटर के मुख्य बाजार कनाडा, भारत और फिलीपिंस बने रहेंगे।

खाद्यान्न की कीमतों पर पड़ सकता है रूस और यूक्रेन के बीच संकट का असर

रूस और यूक्रेन के बीच संकट का असर तेल और गैस कीमतों से भी आगे निकलकर खाद्यान्न कीमतों तक पहुंचता दिखाई दे रहा हैं। रुस के हमले के बाद अमेरिकी फ्यूचर मार्केट में गेहूं और सोयाबीन की कीमतों में रिकॉर्ड उछाल देखने को मिला है। इसके साथ ही मक्के की कीमतों में भी तेजी देखने को मिली है। वहीं जौ की सप्लाई पर भी असर पड़ने से कीमतों में उछाल का अनुमान है। खाद्य कीमतों में बढ़त से दुनिया भर में महंगाई के नये स्तरों पर पहुंचने का जोखिम बन गया है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में तेजी की वजह से भारत पर भी कीमतों में बढ़ोतरी का असर पड़ने की आशंका है। हमले के बाद यूएस फ्यूचर बाजार में गेहूं और सोयाबीन की कीमतों में दिन की अधिकतम बढ़त देखने को मिली है। इस बढ़त के साथ सोयाबीन के दाम 2012 के बाद के उच्चतम स्तर पर पहुंच गये। गेहूं के दाम 9 साल के उच्चतम स्तर पर हैं। मक्का 8 महीने के उच्चतम स्तर पर हैं। आज के कारोबार में गेहूं के मई कॉन्ट्रैक्ट में 5.7 प्रतिशत, मक्के में 4.7 प्रतिशत, सोयाबीन में करीब 2 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है।

इस महीने की शुरूआत में ही रोबोबैंक ने अलग अलग परिस्थितियों में खाद्य कीमतों पर असर का अनुमान दिया था। पहली स्थिति में युद्ध होने पर गेहूं की कीमतों में 30 प्रतिशत और मक्के की कीमतों में 20 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिल सकती है। बैंक ने चेतावनी दी थी कि रूस पर कड़े प्रतिबंध लगने की स्थिति पर अनाज, खाद्य तेल और फर्टिलाइजर की कीमतों में तेजी देखने को मिलेगी। वहीं बैंक ने अनुमान दिया है कि अगर अगली फसल की कटाई तक रूस पर प्रतिबंध बने रहते हैं तो कीमतों में और बढ़त संभव है। गेहूं का भाव दोगुना हो सकता है और मक्का 30 प्रतिशत तक और बढ़ सकता है। स्थिति अगले साल ही सामान्य हो सकती है।

खाद्यान्न में रूस और यूक्रेन की हिस्सेदारी

रूस और यूक्रेन का दुनिया भर के गेहूं उत्पादन में 29 प्रतिशत हिस्सा है, वहीं मक्के की सप्लाई में 19 प्रतिशत और सूरजमुखी के तेल के निर्यात में 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। जौ उत्पादन में रूस दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा और यूक्रेन चौथा सबसे बड़ा उत्पादक देश है। सूत्रों के अनुसार, मौजूदा संकट की वजह से दुनिया भर में इन खाद्यान्नों की सप्लाई पर असर पड़ सकता है जिससे कीमतों में बढ़त देखने को मिलेगी।

मसूर का उत्पादन 56 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद

वर्ष 2021–22 में मसूर का निर्यात टर्की की जोरदार मांग के बावजूद तेजी से घटकर 17 लाख टन आ सकता है। भाव मजबूत होने से वर्ष 2022–23 में मसूर का रकबा तीन फीसदी बढ़कर 18 लाख हैक्टेयर पहुंचने की उम्मीद है। एएएफसी के मुताबिक, वर्ष 2021–22 में मसूर का उत्पादन 16.06 लाख टन रहने की संभावना है। यह अनुमान वर्ष 2022–23 के लिए 25 लाख टन आंका गया है। यह वर्ष 2020–21 में 28.68 लाख टन था। कनाडा से वर्ष 2021–22 में मसूर का निर्यात 17 लाख टन रहने की संभावना है। जो वर्ष 2022–23 में 21 लाख टन पहुंच सकता है। यह 2020–21 में 23.26 लाख टन रहा। मसूर की बोआई वर्ष 2021–22 में 17.16 लाख हैक्टेयर में हुई जो वर्ष 2022–23 में 17.75 लाख हैक्टेयर पहुंचने को अनुमान है। यह वर्ष 2020–21 में 17.05 लाख हैक्टेयर में थी। मसूर का वर्ष 2021–22 सीजन में कैरी–आउट स्टॉक 75 हजार टन रहने का अनुमान है जो वर्ष 2020–21 में 4.07 लाख टन था। इसके वर्ष 2022–23 में 1.25 लाख टन रहने का अनुमान है। एएफसी ने मसूर का औसत भाव फसल वर्ष 2021–22 के लिए भाव 40 डॉलर घटाकर 1040 कनाडाई डॉलर प्रति टन किया है। जबकि, फसल वर्ष 2022–23 के लिए इसके 725 कनाडाई डॉलर प्रति टन आंका गया है। फसल वर्ष 2020–21 के लिए 645 कनाडाई डॉलर था। अमरीकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2021–22 में अमरीका में मसूर का उत्पादन 31 फीसदी घटकर 2.31 लाख टन रहने का अनुमान है।

उड़द की दाल की औसत थोक कीमतों में गिरावट

सरकार ने कहा कि पिछले एक साल में उड़द की दाल की औसत थोक कीमतों में पांच फीसदी की गिरावट आई है। सूत्रों के अनुसार, सरकार ने घरेलू उपलब्धता को बढ़ावा देने और आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने के लिए कई उपाय किए हैं। उड़द दाल का औसत थोक मूल्य 25 फरवरी, 2022 की रिपोर्ट के अनुसार, 9,410.58 रुपए प्रति क्विंटल है, जबकि 25 फरवरी, 2021 को यह कीमत 9,904.39 रुपए प्रति क्विंटल थी। यह 4.99 प्रतिशत की गिरावट को बताता है।

इसी तरह, 24 फरवरी, 2022 को उड़द दाल का औसत थोक मूल्य 9,444.06 रुपए प्रति क्विंटल रही जबकि 24 फरवरी, 2021 को यह कीमत 9,896.95 रुपए प्रति क्विंटल थी। मई 2021 में, राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों की निगरानी करने और आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मिल मालिकों, आयातकों और व्यापारियों द्वारा रखे गए दालों के स्टॉक का खुलासा सुनिश्चित करने के लिए परामर्श जारी किया गया था।

सरसों तेल के में 10% की गिरावट

राजस्थान और मध्य प्रदेश में सरसों की कटाई की शुरुआत ने सरसों के तेल के थोक मूल्य को 15 रुपए से घटाकर 135 रुपए प्रति लीटर कर दिया है। जनवरी में सरसों तेल का भाव 150 रुपए प्रति लीटर था यानी जनवरी की तुलना में सरसों तेल का भाव दस फीसदी घटा है।

इस गिरावट का असर अगले महीने से खुदरा (रिटेल) स्तर पर भी देखने को मिलेगा। जब कीमतें 200 रुपए से घटकर 160–170 रुपए प्रति लीटर होने की उम्मीद है। सरसों के तेल की कीमतें उपभोक्ताओं को एक साल से अधिक समय से परेशान कर रही हैं। एडिबल ऑयल मैन्युफैक्च– रिंग फर्म विजय सॉल्वेक्स के मैनेजिंग डायरेक्टर के मुताबिक राजस्थान और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में फरवरी के मध्य से कटाई शुरू होने के बाद से सरसों के तेल की कीमतों में कमी आई है।

मार्च में आवक बढ़ने पर कीमतों में और गिरावट आएगी। सरसों के तेल की कीमतें 2021 में पहली बार आयातित सोयाबीन तेल की कीमत को पार कर गई थीं।

ऐसा इसलिए था क्योंकि रबी सरसों का उत्पादन कम था, जिससे सरसों के तेल की कीमतें बढ़ गई थीं। हालांकि सरसों के तेल की कीमतों में गिरावट का अन्य खाना पकाने के तेलों जैसे सूरजमुखी, सोयाबीन और पाम तेल पर बहुत कम प्रभाव पड़ेगा। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) के कार्यकारी निदेशक का कहना है कि ये सभी तेल आयात किए जाते हैं और इसलिए, इनकी कीमतें अंतरराष्ट्रीय प्राइस मूवमेंट पर निर्भर करती हैं। रबी तिलहन उत्पादन, जिसमें मूंगफली, रेपसीड और सरसों शामिल हैं,

चालू वर्ष में 1333.2 लाख टन तक पहुंचने की उम्मीद है, जो पिछले साल के 1222.4 लाख टन से 9.06 फीसदी अधिक है। रेपसीड और सरसों का उत्पादन पिछले साल के 102.10 लाख टन की तुलना में रिकॉर्ड 114.59 लाख टन यानी 12.24 फीसदी अधिक होने की उम्मीद है। सरसों का रकबा पिछले साल के 72 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 90 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है।

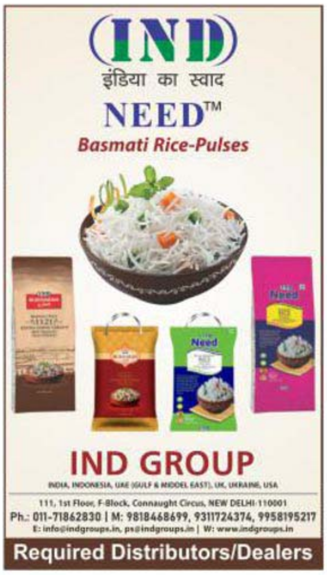

क्षेत्रीय मंडियों के बाजार भाव

कानपुरः गेहूं लूज 2150/2155, जौ 1975/2000, चावल मसूरी 2450/2550, चावल मोटा 2250/2400, देशी चना 5300/5325, चना छना 5850/5950, दाल चना 5900/6000, पिचकी 4800/5000, मटर दाल 7200/7400, अरहर लेमन 6600/6625, दाल अरहर 8900/9300, स्पेशल 8100/8400, उड़द एसक्यू 7250/7260, एफएक्यू 6600/6650, राजमा चित्रा 9900/13100, मूंग 5700/6500, मसूर छोटी 7600/7750, छांटी 8800/9300, सरसों 7300/7350, तिल सफेद 10000/10100 सोया (टीन) 2200/2250, तेल सरसों कच्ची घानी वैट पेड (टीन) 2550/2600, सरसो खल 3300/3350, पामोलिन 2150/2200, वनस्पति घी (यूपी एफओआर) 1850/1950, मधुसूदन देशी घी 6200 वासुदेव 5950, परम प्रीमियम 6250 अलसी 9500/9700, धानियाः लोकल 9700/9800, राजस्थान 102000/10400

लखनऊः गेहूं दड़ा 2130/2140, गेहूं शरबती 2850/2950, चावल शरबती सेला 4000/4050, स्टीम 5050/5150, लालमती 4400/3500, चावल (सोना) 4200/4300, दाल अरहर सवा नं. 7800/7900, पटका 8700/9300 रिजैक्शन 6700/7000, चना दाल 5950/6100, चना देशी छना 5950/6100, चना चापा छना 5900/6000, मटर विदेशी 7400/7500, उड़द साबुत (काला) 7200/8000, दाल उड़द (काली) 7900/8900, उड़द धोया 8000/8800, मसूर छोटी 7500/7700, मलका 8500/8800, किरानाः जीरा 18400/19800 लालमिर्च गुंटूर 17500/2300, हल्दी निजाम फली (50 किलो) 5600/5700, धनिया एमपी 10100/12200, छोटी इलायची (किलो) 1000/1500, बडी इलायची 710/740, कालीमिर्च (किलो) 520/580, सुपारी (किलो) 580/630, सौंफ मोटी 9400/11800, मंगरैल 22500/23500, चिरौंजी (किलो) 1125/1250, मखाना 475/700

मुजफ्फरनगरः चाकू (कोल्ड) 1140/1270, खतौली 3540, देवबंद 3400, थाना भवन 3410, बुढ़ाना 3420, शामली 3390, चीनी हाजिर 3750/3850

हापुड़ः अनाज–दाल गेहूं 2215/2220, चावल परमल 2400/2450, डुप्लीकेट बासमती सेला 6100/6200, बासमती 1121 स्टीम 7400/7500, चना 5200/5250, चनादाल 5800/5900, काबली चना 7000/8500, राजमा देशी चित्रा 11500/13000, दाल अरहर 8000/8800, मसूर 7800/8000, उड़द देसी 6500/6700, दाल उड़द 7500/8500, मूंग यूपी 6500/6800, मूंग दाल 8000/9000, गुड़–चीनीः चीनी हाजिर 3800/3900

एमएसपी पर गेहूं खरीदने में जुटी मध्य प्रदेश सरकार

गेहूं की फसल आने में अब कुछ ही दिन का वक्त बचा है। मध्य प्रदेश सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य पर इसकी खरीद के लिए तैयारियों में जुट गई है। देश भर में गेहूं की सरकारी खरीद के मामले में मध्य प्रदेश रबी मार्केटिंग सीजन 2020–21 के दौरान पहले और 2021–22 में दूसरे स्थान पर रहा था। इस बार भी सरकार इस मसले पर संजीदा है। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव का कहना है कि, आरएमएस 2022–23 में समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद की प्रक्रिया को और अधिक सरल कर दिया गया है। एमएसपी पर गेहूं बेचने के लिए सरकार ने पहले रजिस्ट्रेशन की शर्त रखी हुई है।

अभी तक किसानों को रजिस्ट्रेशन के लिए खुद इसके केंद्रों पर जाना पड़ता था। लेकिन नई नीति में किसान खुद के मोबाईल, कंप्यूटर से घर बैठे या फिर कियोस्क पर अपना पंजीकरण करा सकेंगे। इस संबंध में सभी कलेक्टरों को पत्र भेजकर प्रक्रिया से अवगत कराया गया है। उनका कहना है कि, खरीद के लिए रजिस्ट्रेशन की निशुल्क एवं सशुल्क दोनों ही व्यवस्था रखी गई है। निशुल्क व्यवस्था में किसान खुद के मोबाईल से निर्धारित लिंक पर, ग्राम एवं जनपद पंचायत, तहसील एवं सहकारी समिति के सुविधा केंद्रों पर जाकर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं।

रजिस्ट्रेशन फीस

ऐसे किसान जो खुद यह काम नहीं कर सकते, वे कियोस्क के माध्यम से अधिकतम 50 रुपये का शुल्क देकर एमपी ऑनलाईन या कॉमन सर्विस सेंटर, लोकसेवा केंद्र अथवा निजी साइबर कैफे के माध्यम से अपना रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। इस व्यवस्था से अब उन्हें लंबी लाइनों में इंतजार नहीं करना होगा। सिकमी, बटाईदार एवं वन पट्टाधारी किसान केवल सहकारी समिति स्तर पर स्थित रजिस्ट्रेशन केंद्रों पर ही पंजीकरण करा सकेंगे।

एसएमएस मिलने की अनिवार्यता समाप्त

खरीद केंद्र पर जाकर फसल बेचने के लिए एसएमएस की अनिवार्यता को समाप्त कर दिया गया है। अभी तक किसान एसएमएस पर मिली तारीख पर ही अपनी फसल खरीद केंद्र पर बेच सकता था। जबकि नई व्यवस्था में निर्धारित पोर्टल से नजदीक के खरीद केंद्र, तारीख और समय स्लॉट का खुद चयन कर सकेंगे। स्लॉट का चयन खरीद शुरू होने की तारीख से एक सप्ताह पहले तक किया जा सकेगा।

नई व्यवस्था में किसानों को खरीदी गई फसल का भुगतान अब उनके आधार नंबर से लिंक खाते में सीधे होगा। इससे बैंक खाता नंबर और आईएफएससी कोड त्रुटि से भुगतान में होने वाली असुविधा समाप्त हो जाएगी। किसान को अपने आधार नंबर से बैंक खाता और मोबाईल नंबर को लिंक कराकर उसे अपडेट रखना होगा। किसान आधार रजिस्ट्रेशन केंद्र पर मोबाईल नंबर की एंट्री करा सकेंगे।

आधार नंबर का वेरिफिकेशन अनिवार्य

रजिस्ट्रेशन कराने और फसल बेचने के लिए आधार नंबर का वेरिफिकेशन अनिवार्य होगा। वेरीफिकेशन आधार नंबर से लिंक मोबाईल नंबर पर मिली ओटीपी या बोयामीट्रिक डिवाईस से किया जा सकेगा। रजिस्ट्रेशन के लिए अनिवार्य होगा कि भू–अभिलेख में दर्ज खाते एवं खसरे में दर्ज नाम का मिलान आधार कार्ड में दर्ज नाम से होगा। उनका कहना है कि, इन बदलावों संबंधी विस्तृत विवरण सभी कलेक्टर्स को पत्र के माध्यम से भेजे गए हैं। किसान अपने जिले के कलेक्टर कार्यालय से प्रक्रिया के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

खाद्य तेलो के भाव उंचे रहने की धारणा

यूक्रेन और अमेरिका–रूस का मसला क्या बना देश में खाद्य तेलो के भावों पर आग सी लग गई। चीन और अमेरिकी बाजारो मे खाद्य तेल की तेजी बनी रहने से मलेशियन वायदा और सीबॉट वायदा में तेजी। सीओबीटी और सोया तेल के भावों मे उठाव के साथ खाद्य तेलों की वैश्विक मांग और इंपोर्ट महंगा होने से कच्चे माल की डिमांड अधिक उठने की धारणा बढ रही होने से तथा भारत में त्योंहारी डिमांड रहने से सोयाबीन के भावो को उंचे जाने का सपोर्ट मिलेगा। वैश्विक स्तर पर सोयाबीन के स्टॉक और पैदावार में कमी तथा पाम तेल उत्पादक देशो में इंडोनेशिया से वहां की सरकार के निर्यात कार्यक्रम में परिवर्तन तथा मलेशिया में मजदूरो के संकट से उत्पादन की कमी से बढ रहे वहां भाव और वैश्विक वायदा मार्केट के उंचे जा रहे इंडेक्स से भारत में आग झरती तेजी पकड ली है।

- ⇒ यूक्रेन और अमेरिका–रूस के मसले से देश में खाद्य तेलो के भावों पर आग सी लग गई।
- ⇒ वैश्विक स्तर पर सोयाबीन के स्टॉक और पैदावार में कमी, इंडोनेशिया सरकार के निर्यात कार्यक्रम में परिवर्तन तथा मलेशिया में मजदूरो के संकट से उत्पादन की कमी से बढ रहे वहां भाव।
- ⇒ मूंगफली तेल से उंचा भाव सोया तेल का हो गया।
- ⇒ सोयाबीन के उंचे भाव से सोया तेल में मंदी की संभावना नही।
- ⇒ फरवरी में खाद्य तेलों का आयात 11.15 लॉख टन तक हुआ है।
- ⇒ भारत में तिलहनो के कुल उत्पादनो में पिछले दो वर्षो में कोई कमी नही आई

मूंगफली तेल से उंचा भाव सोया तेल का हो गया। इंदौर में सोया तेल 1412 उंचे में बिका और मूंगफली तेल नीचे में 1410 रू तथा उंचे में 1425 रू भाव रहा। यह भाव इंदौर मे सोया तेल का सर्वकालीन उंचा और आकार्य भरा मूंगफली तेल की तुलना में रहा है। सूत्रों के अनुसार, खाद्य तेलों में हाजर में अपेक्षित मांग कमजोर रहने तथा विदेशी बाजारो में वायदा के मिले–जुले रूख के चलते तथा स्थानीय तेल बाजार में भी तेजी का रूख रहा।

महंगाई के हो–हल्ले के बावजूद देश में तेल–तिलहनो एवं कृषि जिंसो पर हो रही भारी तेजी पर ब्रेक नही लगता दिखाई पडता है। स्टॉकिस्ट और सटोरियो के आगे किसी का बस नही है। विगत् एक माह पूर्व तक सोयाबीन के हल्की मंदी के बाद वायदे ने पुन–तेजी की चाल पकडी तो हाजर भाव सोयाबीन के पुनः 8000 रू तक हो गये बताया गया है।

सोयाबीन के बढते भावो से मंडी मे सोयाबीन की भी आवक बढने लग गई है कि ढाई लॉख बोरियो तक की आवकें देशभर की मंडियो में होना बताया जा रहा था। तिलहनो के उंचे भाव में सरसो पूर्व से ही 7500 रू पर है।

सोयाबीन के उंचे भाव से सोया तेल में मंदी की संभावना नही है। हांलाकि इस वर्ष सरसों की देश मे पैदावार गत् वर्ष के मुकाबले 60 प्रतिशत तक अधिक बताई जा रही है। इससे भारत उत्पादित तेल का रेशो तेल के भावो को अकुंश रखने की स्थिति बना सकता है। यूक्रेन संकट से पाम तेल रिकार्ड उंचाई में मलेशियन रिंगिट उंचे में 6357 पाइंट को छू चुकी। विदेशी बाजारो में कच्चे तेल की तेजी से सोया तेल मे बढत जारी रहने की संभावना बताई जा रही है। कांडला पोर्ट पर सोया रिफाइंड तेल तेजी मे 1405 रू पहुच चुका है।

फरवरी में खाद्य तेलों का आयात 11.15 लॉख टन तक हुआ है जो कि पुराने जनवरी आयात के मुकाबले 23 प्रतिशत तक कम हुआ बताया जा रहा है। इससे टाईट मार्केट सप्लाई के चलते खाद्य तेलो के भाव उंचे रहने की धारणा बताई जा रही है ।

वैश्विक संकट से देश में आश्चर्य इस बात का है कि वायदे के साथ हाजर भाव में तेजी तो अधिक होती है मगर मंदी के मुकाबले मंदी का असर कम दिखाई देता है। अतः हाजर में व्यापार करने वाले थोक व्यापारी भारी कमाई कर रहे है वही खेरची व्यापारी तो हमेशा से ही रोता–गाता अधिक कमाई कर रहा है। सटोरियों की चालो में उलझा खाद्य तेल व्यापार गरीबो को शांति से जीने नही देगा।

सूत्रों के अनुसार, गत् माह तक सोया तेल 1330–1340 रू था जो कि गत् हप्ते 1412 रू तक हो गया है। इस अर्थात एक माह में 20 प्रतिशत की तेजी से बढते हुऐ लगभग 70 रू तक उछल गया है। सोयाबीन का फिलहाल मंडी मे आवक का दबाव 5000 से 7000 बोरी से अधिक नही है। स्टॉक बहुर्राष्ट्रिय कंपनियों एवं मजबूत किसानी हाथों में होना बताया जा रहा है उन्हे अभी भी आगे सोयाबीन में तेजी आने की उम्मीद लगी हुई है।

सरकार तिलहनो और तेलों के सटॉक लिमिट पर कार्यरत है मगर वैश्विक परिस्थितियो से तेजी जारी है। अंतर्राष्ट्रिय बाजारों से प्रेरित तेजी का भारतीय सटोरियो ने अधिक तेज किया जबकि व्यापारिक मांग का अभाव रहा। सोया डीओसी की मांग अंतराष्ट्रिय बाजार में अधिक होना बताई जा रही है। भारत में तिलहनो के कुल उत्पादनो में पिछले दो वर्षो में कोई कमी नही आई है और न ही खाद्य तेलो की आपूर्ति में। जबकि आयात के साथ निर्यात भी हो रहा है।

भारतीय व्यापरियों को इससे साफ दिखाई दे रहा है कि स्थानीय उत्पादन से खाद्य तेल पर भारी सटटा् की चाल नही बन सकती। उन्होने वैश्विक उत्पादनो के कंधे पर बंदूक रखकर स्थानीय व्यापार पर तेजी मंदी की हवा दी और खाद्य तेल भाव को विदेशों के भाव के समकक्ष ला खडा कर दिया है।

On The Way Half Century 50
व्यापार एक्सप्रैस में विज्ञापन देकर लाभ उठाए
9312625326
vyaparexpress50@gmail.com
www.vyaparexpress.co

10th Edition
GrainEX INDIA ™
BRIDGING THE GAP
India's Premier Technology Oriented Exhibition & Conference on Grain Milling Industry

Media Partner: On The Way Half Century 50 VYAPAR EXPRESS
24-25-26 MARCH 2022
Labh Ganga Convention Center, Indore, Madhya Pradesh INDIA
Last Expo Statistics: 146+ Exhibitors 50K+ Sq Ft. Area 5670+ Visitors 08 Countries
An Exposition to Expand, Explore & Ensure
Expand YOUR BUSINESS | Explore YOUR MARKET | Ensure YOUR FUTURE
An Event by: adamas | Co-Organizer: | +91-86074-63222 | chandan@grainexindia.com | www.grainexindia.com

TRIMURTI OVERSEAS LIMITED
SINCE 1980
Importer, Exporter, Indentor & Business Consultant
Basmati & Non-Basmati Rice, Pulses, Beans & Grocery Items Spices & Grains
H.O. SCO-7, Bhagya Tara Complex, Mandi Area, Gaushala Bazar, HOSHIARPUR, Punjab, India-146001 Tel. : (0) 91-1882-227103
B.O. Surrey, British Columbia, Canada
Sister Concern (India): FD Exports & Trimurti Trading Co. Pvt. Ltd.
Call: Parshotam Kumar Gupta, Director Mob. : (India) +91-98140 66219, 62830 29419 (UAE) : +971-559 587 480
Nipun Gupta Mob. : +91-87270-91919
E: staff@trmoverseas.com | www.trmoverseas.com

सतीश कुमार एंड कम्पनी
कमीशन एजेन्ट

हमारे यहाँ पर राईस प्लांट, साल्वेन्ट प्लांट, घी मिल व तेल मिल, ड्रायर, सेला प्लांट, बुआयलर्ज, हर प्रकार की मशीनरी, जमीन–जायदाद, पुरानी फैक्ट्री, सोरटैक्स मशीन, आटा चक्की प्लांट, फ्लोर मिल मशीनरी कमीशन पर खरीदी व बेची जाती है। पुरानी बिल्डिंग, फैक्ट्री, कोठी आदी तुड़वाने (DEMOLISH) के लिए सम्पर्क करें।
मार्किट कमेटी रोड़, बारदाना मार्किट, करनाल (हरियाणा)
Email: satishaggarwal04462@gmail.com
सतीश कुमार अग्रवाल 92156-04462, 9215704462

CHAWALWALA
Ph.: 0291-2570609, 2570591
Cell.: 98291-94190 (Ravi), 98290-24609 (Rajender) 93513-21116 (Mohit), 93142-08383
BHIKAM DAS MOOLCHAND PARIHAR RAMBAGASH BHIKAMDAS
7, Main Mandi, Mondore Road, JODHPUR-342007 (Raj)
Distributors For- LALQILLA-INDIA GATE-(DOON) AARTI-NURJAHAN Basmati Rice

R Sons GROUP
Dalal Ratilal & Sons
AN INTERNATIONALLY RENOWNED BROKERAGE GROUP
Rajkot | Indore | Surat
Head Office 13, Natraj Chamber, Bardan Gali, Danapith, Rajkot - 360 001 (Gujarat) India +91 281 2238592, +91 281 2227027
Corporate Office A-208, Market Yard, Morbi Road, Bedi, Rajkot - 360 003 (Gujarat) India. +91 281 2790108, +91 281 2790208, +91 281 2790252
Management
Sanjay Somaiya +91 98242 20036 | +91 93741 00990 | sanjayrsons208@gmail.com
Sarang Somaiya +91 99247 11220 | rsonsgroup@gmail.com
R Sons Team
Vipul Vaghela +91 94282 33978 | Hitesh Patel +91 98241 40905 | Jayraj Gadhvi +91 75674 55490
Dhaval Bahukiya +91 98258 94943 | Kanaiya Dubey +91 99252 41122
We Deals In
Rice | Grains | Pulses | Spices | Oil Seeds | Sugar | Dry Fruits | Wheat Products | Animal Feed
Choose us and we will prove it to be your best business decision!

RICE Basmati Specialist
DADHICH & CO.
Canvassing Agents For :-
*RICE- *WHEAT- *GRAIN
117, Mahalaxmi Market, 1st Floor, E-40, Market Yard, Gultekdi, PUNE-411037
Ph.: 020-24271907, 24017276 Fax: 24017277
Mob.: 9422321241, 9422321242

Leading Canvassing Agent in AHMEDABAD for Rice, Wheat, Bajra, Jawar, Pulses etc.
DALAL ARUNKUMAR VISHNUPRASAD
25/2, Kabutarkhana, Kalupur, AHMEDABAD-380 002. (GUJ.)
PHONE : (O) 22169585 / 22169828 (R) 27417877
MOBILE : 9327064099 / 9824410544 Arun Vyas

पाम ऑयल की खेती को बढ़ावा देने में मलेशिया करेगा भारत की मदद

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री और मलेशिया की बागान, उद्योग और वस्तु मंत्री के बीच कृषि भवन, नई दिल्ली में बैठक हुई। इस दौरान कृषि मंत्री ने मलेशिया से पाम ऑयल प्लांटेशन में सहयोग प्राप्त करने की इच्छा व्यक्त की। पाम ऑयल की खेती के लिए मलेशिया के साथ साझेदारी से पाम ऑयल वैल्यू चेन के विकास में नवीनतम जानकारी प्राप्त होगी। इससे भारत में पाम ऑयल की खेती करने वाले किसानों को काफी मदद मिलेगी।

मलेशिया दुनिया के बड़े पाम ऑयल उत्पादक देशों में शामिल है। दूसरी ओर भारत ने अभी इस दिशा में कदम बढ़ाए हैं। भारत सरकार ने अगस्त 2021 में पाम ऑयल मिशन के कार्यान्वयन को मंजूरी दी थी। इस मिशन पर 11,040 करोड़ रुपये खर्च किए जाने हैं। बैठक में केंद्रीय मंत्री ने मंत्री सुश्री व उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल का स्वागत करते हुए कहा कि भारत व मलेशिया पाम ऑयल व्यापार में महत्वपूर्ण भागीदार हैं। भारत पाम ऑयल क्षेत्र में मलेशिया के साथ सहयोग को और मजबूत करना चाहता है, जिसमें भारत पाम ऑयल की खेती में मलेशिया के विशाल अनुभव से लाभ प्राप्त कर सकता है। इससे पाम ऑयल का क्षेत्र और उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा।

पाम ऑयल मिशन की जानकारी

कृषि मंत्री तिलहन पर भारत के राष्ट्रीय मिशन–पाम ऑयल का विवरण साझा करते हुए कहा कि भारत ने 2025–26 तक पाम ऑयल की खेती के तहत 6,50,000 हेक्टेयर क्षेत्र लाने का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए लगभग 100 मिलियन बीज स्प्राउट्स की आवश्यकता होगी। भारत में इसकी खेती की काफी संभावना है। इसलिए सरकार ने इसे लेकर मिशन मोड पर काम शुरू किया है।

पाम ऑयल की खेती के लिए नई तकनीक देगा मलेशिया

मलेशियाई मंत्री ने कहा कि उनके मंत्रालय और मलेशियाई सरकार को भारत के साथ पाम ऑयल क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों को साझा करने में बहुत खुशी होगी। मलेशियाई मंत्री ने विशेष रूप से विश्व प्रसिद्ध सफेद मिर्च की खेती में भारत की मदद करने की पेशकश भी की। कृषि मंत्री तोमर ने मलेशियाई मंत्री के प्रस्तावों की सराहना की और दोनों देश पाम ऑयल क्षेत्र पर काम करने के लिए सहमत हुए।

मलेशिया को चावल, शक्कर व गेहूं देने की पेशकश

तोमर ने कहा कि हम मलेशिया को गेहूं चावल व शक्कर का निर्यात कर सकते हैं, जो कि भारत के पास पर्याप्त मात्रा में है, जिस पर मलेशियाई मंत्री ने प्रसन्नता जताई। तोमर ने सहयोग के लिए मलेशियाई मंत्री को धन्यवाद दिया। बैठक में कृषि एवं किसान कल्याण तथा विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी उपस्थित थे।

हल्दी की कीमतों में रिकॉर्ड तेजी के बावजूद परेशान है किसान

मराठवाड़ा में हिंगोली के बाद नांदेड़ जिले में सबसे ज्यादा हल्दी की फसल उगाई जाती है। जिले में केले के बागों की जगह अब हल्दी की फसलों ने ले ली है। किसानों को हल्दी की खेती से अच्छा मुनाफा हो हो रहा था, लेकिन अब प्रकृति की अनियमिताओं के कारण हल्दी का रंग भी हल्का होता जा रहा है।

इस साल भारी बारिश और बेमौसम बारिश के कारण उत्पादन सीधे तौर पर प्रभावित हो रहा है वर्तमान में हल्दी की कटाई की जा रही है और फसल के दौरान किसानों ने देखा है कि खेतो में हल्दी सड़ चुकी है।

इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है, किसानों का कहना है इस समय दरों में बढ़ोतरी हो रही है लेकिन उत्पादन घट रहा है ऐसे में हमे नुकसान ही हो रहा है

खारीफ सोयाबीन, कपास, उड़द, हरा चना और अब हल्दी उत्पादक किसान परेशान हैं। क्योंकि हल्दी सरकारी सब्सिडी की श्रेणी में भी नहीं आती है, इसलिए किसान चिंतत है कि नुकसान की भरपाई कैसे हो पाएगी।

हल्दी सड़ने का कारण

हिंगोली के पारंपरिक फसलों को छोड़ने के बाद नांदेड़ जिले के किसानों ने भी फसल पैटर्न में बदलाव दिया और हलाद की खेती पर जोर देने लगे। इस साल प्रकृति की मार का असर अभी भी फसलों पर महसूस किया जा रहा है।

इस साल हुई बेमौसम बारिश का पानी कई खेतो में जमा हो गए थे, जिसके चलते एक महीने तक पानी मे हल्दी रहने से पूरी तरह से सड़ गए। हल्दी कि फसल पूरी तरह से जमीन में सड़ गई हैं जिससे अपूरणीय क्षति हुई है अब कटाई का काम शुरू हो गया है। इस बीच किसान अनुमान लगाने में लगे हैं कि कितना नुकसान और होगा।

21 हजार हेक्टेयर में हल्दी की फसल

पिछले आठ–दस सालों में हल्दी से किसानों की आमदनी बढ़ी है, इसलिए नांदेड़ जिले में 21 हजार हेक्टेयर में हल्दी कि खेती की जा रही है, लेकिन इस साल रकबा बढ़ा है लेकिन उत्पादन में भारी कमी आई है।

हल्दी की कीमत फिलहाल 9 से 10 हजार रुपये क्विंटल है, लेकिन उत्पादन कम होने से किसानों को ज्यादा फायदा नहीं हो रहा है।

हल्दी की फसल सब्सिडी की श्रेणी में नहीं आती है, इसलिए नुकसान के बावजूद मुआवजा मिलने की कोई संभावना नहीं है। दूसरी ओर, हल्दी पर फसल बीमा लागू नहीं होता है इसलिए, उत्पादन घटने और बढ़ने पर भी किसानों को लाभ और हानि वहन करना पड़ता है। किसान इन दोनों कारकों का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं, जिससे अधिक नुकसान हो रहा है, इसलिए किसानों की मांग है कि सरकार इससे कोई रास्ता निकाले।

व्यापार एक्सप्रैस
साप्ताहिक अखवार में विज्ञापन देकर लाभ उठाए
9312625326

Worldwide - Different People, Different Tastes, One Choice :
DUNAR
Basmati Rice
Toll Free No. : 1800 180 1772 | e-mail : enquiry@dunarbasmatirice.com | website : www.dunarbasmatirice.com
Find Our Distributor in your City at : www.dunarbasmatirice.com/enquiry.html
Also Buy Online at : www.buybasmatiriceonline.in

Leading Canvassing Agent in Ahmedabad
Specialist in Basmati Rice
D.J. BROKER'S
Canvassing Agent for Basmati Rice, Wheat & All Grains
12/2, Kabutar Khana, Sindhi Market, Chokha Bazar, Kalupur, Ahmedabad-380001
Email: dhaneshk735@gmail.com
Contact : +91-9426834991, 9898349911 (Dhaneshbhai)

EVEREST
RICE MILL ELEVATOR BUCKET
Quality, Reliability & Maximum Volume Capacity Of Your Plants Always Insist On...
Product Range : From 3" to 20", Mild Steel, Stainless Steel & Plastic Buckets
Manufacturers: V.L. INDUSTRIAL WORKS
Opp. Railway Station, VANGAON-401103 • Tel : 02528-244025/285/654 Fax : 02528-244122
Mob : 9225147630, 9765351833 Email : sales@everestelevatorbuckets.co.in
Website : www.elevatorbucket.in

NAGRAJ
GRAIN TRADING CO.
Wholesaler & Distributor of
Wheat, Tuvar Dal and Rice
GF/4, Krishna Apartments, Chhotalal Cross Road, Odhav, Ahmedabad-382415 • Tel.: 079-22972211
9428117879 Tarun Kumavat

Raj Singh Barka
Sale Purchase of Boilers:- Rice Plant Steam Engine, Drier etc. On Commission Basis
Contractors: All Kind of Heavy Loading, Unloading Dismentals Eractions, Mfrs. & Fabricators M.S. Pipe, Storage Tanks Chimney, Cyclone, I.D.Fans, on Labour Rates.
Works: 3, Meerut Road Opp. Neher Colony Mandir, KARNAL
Resi.: 127, Gali No.3, Opp. Sector-6, Green Belt, Karan Vihar, KARNAL-132001
Tel.: (R) 0184-2250536 M: 9812031874, 9017708899

Mob. 94170-28517
99149-28517
Paramjit 'S' Pamma
Deals in: Old Rice Plant, Old Paddy Drier, Old Colour Sortex, Old Solvent Plant, Old Sella Plant, Chakki Plant, Boiler, Ice Plant & Any Other Sick Unit
H. No.517 St. No.2 Near Bobby Mahant Mandir Kular Nagar, MOGA-142001 (Pb.) Email: pammji69@gmail.com

RICE Merchants & Commission Agent
BANSHIDHAR SATYANARAYAN
Ch.8, Surajpole Mandi, JAIPUR
Mobile:. 9571813688

P LILADHAR & CO.
Rice Canvassing Agents
103, Vyapar Bhawan, Ist Floor, A.P.M.C. Market-II, Phase-II, Vashi, Navi MUMBAI-400703
Tel.: (O): 022-27837665, 27838345, 27838109
(R) 022-25643710, 25681927 Telefax: 022-67907905
Mob: Paresh: 9821222369, 9323943710
Nitin: 9820010201, 9320310201 Jitu: 9323981927
E-mail: p_liladhar@hotmail.com

Aggarwal Canvassing Agent
Deals in: Rice, Paddy, Broken all kinds of Basmati & Non Basmati Rice
12, New Janta Market, Near Novelty Cinema, KARNAL-132001
M: 9215550377, 9466571277 Sunil Garg
M: 9034055567 Anil Garg
Email: sunilgarg2585.sg@gmail.com

Deepak Ohri (Prop.)
Rice Brokers
M:. 9814066221
9781368000
GANPATI TRADING COMPANY
Shop No.2, Old Hariana Adda, Gaushala Bazar, HOSHIARPUR-146001
Tel.: (O) 01882-233103, 243103, 520103, 520203 (R) 01882-227193
Branch Office: Ganapati Trading Co.
Silver Plaza, Opp. Sanjog Palace Sodal Road, JALANDHAR CITY
Ph.: 0181-2293030 Mobile: Rahul Ohri (Monty) 9914020037, Jyoti Parkash Ohri 9814866221

वृजेश कुमार अग्रवाल
श्री गणेश एन्टरप्राईजेज
कमीशन एजेन्ट
धान–1121–बासमती–शरबती–गेहूं और जौ आदि के कमीशन एजेन्ट
बी–9, नवीन गल्ला मण्डी दादरी–203207 (गौतमबुद्ध नगर) उ० प्र०
Ph.: 0120-2665680 • Mob.: 94120-62917, 93120-68780

AMBER TRADING COMPANY
Rice Merchants & Commission Agents
E-3, New Anaj Mandi, Surajpole, JAIPUR (Raj.)
Email : ambertradingco@yahoo.com
Organised By :- Mr. SATPAL
Distributors :- Dunnar, Basmati Rice
Ph. (O): 0141-2640343, 6543932 (R) 27203051
Mobile : 09314503881

Authorised Distributor's of KRBL Ltd. Products
INDIA GATE BASMATI RICE
ROYAL FOOD PRODUCTS
18-V, Strotten Muthiah Mudali Street, Sowcarpet, CHENNAI-79
Mob : Tejraj Kothari-9840055850, Pankaj Kothari-98406 60000
Tel : 25360794, 25392283, 25392757 Email : pankaj.kothari@gmail.com

MAHADEV CANVASSING AGENT
RICE, WHEAT, GRAIN CANVASSING AGENT
Ph.: 079-65212545, 39828466
Mob. : 98251-09226
178/1, Kabutarkhana Sindhi Comm. Market, AHMEDABAD-380002

Raj Canvassing Agent
Rice, Pulses, Rice Bran, Grain Brokers
22, Dhan Mandi, UDAIPUR-313001
Tel. : (O) 0294-2523056, 2414056
(R) 0294-2485056 Mob.: 9414155956

RICE & PULSES SPECIALIST
HISARIA BROTHERS
CANVASSING AGENTS OF PULSES, BASMATI RICE
79, Acharappan Street, CHENNAI-600001
Tel. (O) 25226188, 25224132 (R) 26426320, 26423414
Fax : 25221139 Mob. : 98410-26188
Cable: 'DALKING' Email : goyals@vsnl.com

स्थापित 1960
भारत वर्ष में बिल्टीकट दलाली की पहली विश्वसनीय
You Grow With
Dalal Surajbhan Khandelwal & Co.
45/1, Sindhi Commercial Market, Kalupur, AHMEDABAD-380002
Ph.off: 079-22121809, 22122335, 22124380, 22123539, 22158251, 22166621 Fax: 079-22120414 Resi.: 26401346 (Rakesh), 26461009 (Nipun R.) 26614623 (Umesh), 26610227 (Vivek U.)
Mobile:. 98240-12216 (V.K.) 98240-61878 (R.K.), 98240-32451 (U.K.), 98243-12122(Nipun)
Other Concers: UNITY CANVASSER (Rice Division)
RAGHUPATI TRADERS (Pulses Division)
नोट : हमारी अन्य कोई सम्बन्धित नाम से कोई फर्म नहीं है।

Rice Basmati Specialist
Ph.: 0184-2255365 Resi. 2280185 (O.P.) 2
Fax: 2255365 M.: 9416034365
G. N. ENTERPRISES
Canvassing Inspecting & Packing Agents of All Types of Rice & Seeds
101, Janta Grain Market, KARNAL
Other Concern- Om Prakash & Co.

www.indiariceexpo.com
Follow us on:
India's most preferable & largest International Exhibition and Conference on Rice, Roller Flour, Pulses, & Seed Processing & Milling Machinery, Fortified Rice Making Plant, Fortified Rice Kernels, FRK Premexies, Solvent Extraction Plant & Machinery, Cleaning, Grading, Sorting, Automation & Electrical, Roofing & PEB, Warehousing, Silos & Storage, Packaging and its allied industry
A Joint Exhibition of the states
Uttrakhand, Uttar Pardesh & Bihar
23rd Edition
INDIA GRAIN MECH EXPO
Rice PRO-TECH EXPO.
A move towards modernising rice & grain milling industry
20 21 22 MAY 2022
Indian Institute of Sugarcane Research, Near Base Hospital, Cantt. Area, Raibareily Road, Lucknow (UP) India.
STALL BOOKING OPENS !
Media Partner : VYAPAR EXPRESS
Please Contact:
BHUPESH GUPTA
Mobile: +91-92162-99124
Email: bhupesh@businessempiregroup.in
Organised by: Business Empire Exhibitions

MURLI MANOHAR TRADERS
Canvassing Agents For:
RICE PULSES GRAINS
82/1, Sindhi Commercial Mkt. Kalupur, AHMEDABAD-2
Ph.: 079-22122053, 22122003, 22123383
Fax: 22123379 Resi.: 22821183, 22823003
Mobile: 98250-64720 (Vikesh)
98240-11682 (Dilip), 98250-64720 (Manu)
98240-76740 (Thakur)

Always Use World's Finest
Him-anchal's Basmati Rice
SKBR EXPORT PVT. LTD.
Plot No. 181/21, Industrial Area, Phase 1, CHANDIGARH-160019
+91-9915102077 (Naresh Goel)
E: himanchalbasmati@gmail.com
Website : www.skfrice.com

सीएआई ने घटाया कपास उत्पादन का अनुमान

भारतीय कपास संघ (सीएआई) ने मुख्य रूप से तेलंगाना में अपेक्षित उत्पादन कम होने के कारण सितंबर को समाप्त होने वाले चालू फसल वर्ष के लिए कपास उत्पादन अनुमान 5 लाख गांठ घटाकर 343.13 लाख गांठ कर दिया। कपास फसल वर्ष अक्टूबर से लेकर सितंबर तक का है। सीएआई के अनुसार, नवीनतम अनुमान पहले के अनुमान की तुलना में 5 लाख गांठ की कटौती दर्शाता है। पिछले सत्र में कुल कपास उत्पादन 353 लाख गांठ रहा था। तेलंगाना में सत्र के दौरान कपास उत्पादन में 2 लाख गांठ, गुजरात और कर्नाटक में प्रत्येक में एक लाख गांठ, और आंध्र प्रदेश और ओडिशा में 50 हजार गांठ की कमी आने का अनुमान है।

सीएआई ने अक्टूबर 2021 से जनवरी 2022 के चार महीनों में कपास की कुल आपूर्ति 272.20 लाख गांठ होने का अनुमान लगाया है। इसमें 192.20 लाख गांठ की आवक होने, 5 लाख गांठ का आयात होने और सत्र की शुरुआत में 75 लाख गांठ का शुरुआती स्टॉक होना शामिल है। इसके अलावा, अक्टूबर 2021 से जनवरी 2022 तक अनुमानित कपास की खपत 114 लाख गांठ होने का अनुमान है, जबकि 31 जनवरी, 2022 तक निर्यात 25 लाख गांठ होने का अनुमान है।

सीएआई द्वारा अनुमानित घरेलू खपत को 345 लाख गांठ के अपने पिछले अनुमान के मुकाबले घटाकर 340 लाख गांठ कर दिया गया है।

दलहनों की कीमतें थामने को लेकर कई नीतिगत उपाय सफल

पिछले एक वर्ष में केद्र सरकार की तरफ से दलहनों की कीमतें थामने को लेकर कई नीतिगत उपाय किए गए हैं। पिछले एक साल में अरहर के भाव में 3 प्रतिशत की गिरावट आई है। जिससे आम उपभोक्ताओं को अरहर की महंगाई से जूझना नहीं पड़ा है और कमोबेश राहत ही मिली है। केद्र सरकार का यह नीतिगत उपाय बेहद सफल साबित हुई है। दरअसल केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग (डीओसीए) के आंकड़ों के तहत 22 फरवरी 2022 को अरहर दाल का औसत थोक मूल्य 9,255.88 रुपए प्रति क्विंटल था जो कि 2.87 प्रतिशत की गिरावट को दर्शाता है। 21 फरवरी 2022 को अरहर दाल का औसत थोक मूल्य 9,252.17 रुपए प्रति क्विंटल था जो कि एक साल पहले इसी दिन 9,580.17 रुपए प्रति क्विंटल था। यह 3.42 प्रतिशत की गिरावट है।

केद्र सरकार की तरफ से कहा गया है कि 21 मई 2021 में राज्यों और केद्र शासित प्रदेशों को आवश्यक खाद्य वस्तुओं की कीमतों की निगरानी और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत मिल मालिकों, आयातकों और व्यापारियों के पास दलहन भंडार का खुलासा सुनिश्चित करने के लिए परामर्श जारी किया गया था। मूंग को छोड़कर सभी दलहनों पर स्टॉक सीमा 2 जुलाई 2021 को अधिसूचित की गई थी। जिसके बाद 21 जुलाई 2021 को एक संशोधित आदेश जारी किया गया। जिसमें चार दलहनों में अरहर,उड़द,मसूर व चना पर 31 अक्टूबर 2021 तक की अवधि के लिए स्टाम सीमा निर्धारित की गई।

केद्र सरकार की तरफ से दलहनों की उपलब्धता में सुधार और कीमतों को स्थिर करने के मकसद से दलहनों का सुचारु और निर्बाध आयात सुनिश्चित करने के लिए 15 मई 2021 से 31 अक्टूबर 2021 तक मुक्त श्रेणी के तहत अरहर, उड़द और मूंग के आयात की अनुमति दी थी।

कनाडा में चने का उत्पादन अधिक बढ़ने की संभावना

एग्रीकल्चर एंड एग्री फूड कनाडा (एएएफसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, कनाडा से वर्ष 2021–22 में चने का निर्यात अमरीका और टर्की की मांग बढ़ने से ऊंचा रहने की संभावना है। जबकि, कैरी–आउट स्टॉक पिछले साल की तुलना में तेजी से गिरने का अनुमान है। वर्ष 2022–23 में चने का रकबा बढ़ने की संभावना है क्योंकि चने में किसानों को अन्य दलहन फसलों की तुलना में बेहतर रिटर्न मिला है। वर्ष 2021–22 के लिए चने के औसत भाव को पिछले महीने की तुलना में घटाया गया है। एएएफसी के मुताबिक, कनाडा का चना निर्यात वर्ष 2021–22 में 1.65 लाख टन रहने का अनुमान है। यह वर्ष 2022–23 में 1.25 लाख टन रहने की संभावना है। जबकि, वर्ष 2020–21 में 1.59 लाख टन रहा।

कनाडा में चने की खेती वर्ष 2021–22 में 74 हजार हैक्टेयर में रहने के आसार हैं जबकि वर्ष 2022–23 में इसके 83 हजार हैक्टेयर में पहुंचने के आसार हैं। वर्ष 2020–21 में 1.20 लाख हैक्टेयर में चने की खेती हुई। एएएफसी ने चने का उत्पादन वर्ष 2021–22 में 76 हजार टन रहने का अनुमान जताया गया है। यह अनुमान वर्ष 2022–23 के लिए 1.25 लाख टन है। यह वर्ष 2020–21 में 2.14 लाख टन था। कनाडा में वर्ष 2021–22 में चने का कैरी आउट स्टॉक 1.50 लाख टन रहने की संभावना है। यह वर्ष 2020–21 में 2.75 लाख टन था। वर्ष 2022–23 में 1.35 लाख टन रहने का अनुमान है। एएएफसी ने अपनी ताजा रिपोर्ट में फसल वर्ष 2021–22 के लिए चने का औसत भाव 65 डॉलर कम कर 1000 कनाडाई डॉलर प्रति टन किया है। जबकि, फसल वर्ष 2022–23 के लिए इसे घटाकर 860 कनाडाई डॉलर प्रति टन आंका है।

फसल वर्ष 2020–21 के लिए चने का औसत भाव 640 कनाडाई डॉलर था। अमरीकी कृषि विभाग (यूएसडीए) ने वर्ष 2021–22 में अमरीका में चने का उत्पादन पिछले साल की तुलना में 30 फीसदी घटकर 1.30 लाख टन रहने के आसार हैं। यील्ड में बड़ी कमी आने की वजह से उत्पादन में यह गिरावट आई है।

सरसों की फसल के लिए अपना उत्पादन अनुमान जारी करेगा उद्योग संगठन

सेंट्रल ऑर्गनाइजेशन फॉर ऑयल इंडस्ट्री एंड ट्रेड अगले महीने दो दिवसीय वार्षिक रबी सम्मेलन के दौरान सरसों की फसल के लिए अपना उत्पादन अनुमान जारी करेगा। सरकार ने कहा कि इस साल सरसों का उत्पादन 114.6 लाख टन होने की संभावना है, जो पिछले साल के 102.1 लाख टन से 12% अधिक है। जबकि खाद्य तेल उद्योग संगठन भी सरकार के अनुमान के समान सरसों के फसल उत्पादन का अनुमान लगाता है, जिसमें सरसों के समान तिलहन किस्में तोरिया और तारामीरा शामिल हैं। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के मुताबिक, 3 फरवरी तक सरसों का रकबा 85.94 लाख हैक्टेयर था, जो एक साल पहले के 68.02 लाख हैक्टेयर से 26.3% अधिक था। तोरिया और तारामीरा के तहत बोआई क्षेत्र 5.7 लाख हैक्टेयर था, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के 5.1 लाख हैक्टेयर से 11.8% अधिक है।

शीर्ष उत्पादक राज्य राजस्थान में रेपसीड और सरसों का रकबा एक साल पहले 25.66 लाख हैक्टेयर से 35.27 लाख हैक्टेयर में 36.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है, इसके बाद उत्तर प्रदेश में 14.17 लाख हैक्टेयर में 14.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मध्य प्रदेश में बोआई क्षेत्र 7.81 लाख हैक्टेयर से 50% बढ़कर 11.72 लाख हैक्टेयर पहुंच गया। सीओओआईटी का कहना है कि, सरसों की फसल के दृष्टिकोण के अलावा, 12 मार्च से शुरू होने वाले सम्मेलन में हितधारक घरेलू प्रोसेसर्स के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी विचार करेंगे। उच्च वैश्विक कीमतें और मूल्य के संदर्भ में खाना पकाने के तेलों का बढ़ता आयात खाद्य तेल उद्योग संगठन द्वारा पहचानी गई चुनौतियों में से हैं।

मस्टर्ड ऑयल प्रोडयूसर्स एसोसिएशन और भरतपुर ऑयल मिलर्स एसोसिएशन इस आयोजन के सह–आयोजक हैं। फरवरी के अंत में कटाई शुरू होने के साथ ही आवक से फसल उत्पादन का अंदाजा लगाया जा सकता है।

सीओओआईटी के अध्यक्ष का कहना है कि हम इस रबी सीजन में सरसों के रिकॉर्ड उत्पादन की उम्मीद कर रहे हैं। इस फसल के तहत किसानों के पास अधिक क्षेत्र है क्योंकि उन्हें पिछले साल की फसल से बेहतर भाव प्राप्ति हुई है। सम्मेलन के दौरान हम देश में तिलहन और तेलों के उत्पादन और उपलब्धता का आकलन करेंगे।

LEADING RICE CANVASSING AGENTS
VIJAYKUMAR PRABHUDAS
Patel Market, Sardar Ganj, ANAND-388001
Ph.: (O) 02692-240445, 243198, 267381/82 (R) 240376
Fax: 02692-242847 Mob.: 925040563, 9825013152
Email: meet_dvp@hotmail.com

Shiv Traders
Domestic Market
Selling Agent for
Basmati Rice Specialist
Lotus Apartment, Flat No. 21, Pocket H-18, Sector-7, Rohini, Delhi-85 (Near Rohini West Metro Station)
Bharat Garg : +91-9958170066, 9350873547
Prashant Jindal : +91-9958179966, 9354372973
Email: bharatgarg1981@gmail.com
B.O. : Grain Market, Sector-26, Chandigarh
Balwant Garg: +91-9814004282 , 9780958002

व्यापार एक्सप्रैस
में विज्ञापन देकर लाभ उठाए
9312625326

ESTD. 1979
SWASTIKA TRADING CO.
(FOUNDER SHREE JANG VADHERA)
Broker in all Varieties of Sella, Steam & Raw Basmati, Non-Basmati Rice
H.O.: S-13/199, Nr. HDFC Bank, Dhab Wasti Ram, AMRITSAR-143001
Ph.: 2544499 Mob.: 98140-06920, 8511185111
B.O.: 103, Tirupati Complex, Opp. Kalupur Lat., Nr. Chokha Bazar, AHMEDABAD-380002
Ph.: 079-22120900, 22124899, 22110400, 65155555 Fax: 91-79-22124899
Rakesh Vadhera : 90333-90333
Mob.: 9426412345, 8000500005
Email : swastika.vadhera@gmail.com

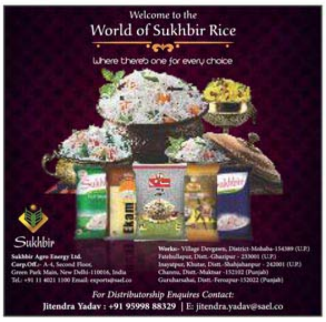

स्वामी, संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशकः टी. आर. अरोड़ा द्वारा व्यापार एक्सप्रैस के लिए 2718, गली नं. 5, बिहारी कालोनी, शाहदरा, दिल्ली-110032 से प्रकाशित तथा बालाजी आफसैट उल्धनपुर 1/11884, नवीन शाहदरा, दिल्ली-110032 से मुद्रित। संपादक-टी. आर. अरोड़ा